युवा के लिये सलाहकार

जवानी मे अपन सृष्टिकर्ता केँ मोन पाड़, जखन कि अधलाह दिन नहि आबि रहल अछि आ ने वर्ष लग आबि रहल अछि जखन अहाँ कहब जे, हमरा एहिं मे कोनो प्रसन्नता नहि अछि। **उपदेशक** 12:1

...किएक त' मनुष्यक हृदयक कल्पना ओकर युवावस्था सँ दुष्ट अछि.... **उत्पत्ति** 8:21

अपन पिता आ मायक आदर करू, जाहि सँ अहाँक परमेश् वर जे देश अहाँ केँ दैत छथि, ताहि पर अहाँक दिन लंबा रहय। **निष्कासन** 20:12

जँ ओ सभ हुनकर आज्ञा मानत आ सेवा करत तँ ओ सभ अपन दिन समृद्धि मे बिताओत आ अपन वर्ष भोग मे बिताओत। मुदा जँ ओ सभ आज्ञा नहि मानत तँ तलवार सँ नष्ट भS जायत आ अनजान मे मरि जायत। मुदा हृदय मे पाखंडी सभ क्रोधक ढेर लगा दैत अछि, जखन ओ ओकरा सभ केँ बान्हि दैत अछि तखन ओ सभ नहि कानैत अछि। जवानी मे मरि जाइत छथि, आ हुनकर जीवन अशुद्ध लोक मे अछि। **अय्यूब** 36:11-14

हे प्रभु परमेश् वर, अहाँ हमर आशा छी, अहाँ हमर जवानी सँ हमर भरोसा छी। तोरा द्वारा हम गर्भसँ ऊपर उठाओल गेल छी, अहाँ ओ छी जे हमरा मायक आंतसँ निकालि देलहुँ। **भजन** 71:5-6

युवक कोन तरहेँ अपन बाट शुद्ध करत? अहाँक वचनक अनुसार सावधान रहू।" **भजन** 119:9

हमर बेटा, प्रभुक दंड केँ तिरस्कार नहि करू। आ ने ओकर सुधार सँ थाकि जाउ। जेना पिता ओ पुत्र जकरा मे ओ प्रसन्न होइत अछि। **नीतिवचन** 3:11-12

सुलेमानक कहावत। बुद्धिमान बेटा बाप केँ प्रसन्न करैत अछि, मुदा मूर्ख बेटा अपन मायक भार होइत छैक। **नीतिवचन** 10:1

अपन पिताक बात सुनू जे अहाँ केँ जन्म देलनि, आ जखन ओ अपन माय केँ बूढ़ भ’ जायत तखन हुनका तिरस्कार नहि करू। **नीतिवचन** 23:22

हे युवक, अपन जवानी मे आनन्दित रहू। जवानीक दिन मे तोहर मोन केँ हौसला बढ़ाबैत रहू, आ अपन हृदयक बाट आ आँखिक नजरि मे चलैत रहू। तेँ अपन हृदय सँ दुख दूर करू आ अपन शरीर सँ अधलाह केँ दूर करू, कारण बचपन आ युवावस्था व्यर्थ अछि। **उपदेशक** 11:9-10

की अहाँ नहि जनैत छी? की अहाँ ई नहि सुनने छी जे अनन्त परमेश् वर, पृथ् वीक छोर सभक सृष्टिकर्ता परमेश् वर, बेहोश नहि होइत छथि आ ने थकैत छथि? ओकर समझक कोनो खोज नहि होइत छैक। ओ बेहोश केँ शक्ति दैत छथि। जेकरा पास शक्ति नै छै, ओकरा सिनी कॅ ऊ ताकत बढ़ाबै छै। युवा सभ सेहो बेहोश भऽ कऽ थाकि जायत आ युवक सभ एकदम खसि पड़त। ओ सभ गरुड़ जकाँ पाँखि ल’ क’ चढ़त। ओ सभ दौड़त, आ थाकि नहि जायत। ओ सभ चलत आ बेहोश नहि होयत। **यशायाह** 40:28-31

तखन हुनका लग छोट-छोट बच्चा सभ केँ आनल गेलनि जे ओ हुनका सभ पर हाथ राखि प्रार्थना करथि। यीशु कहलथिन, “बच्चा सभ केँ हमरा लग आबय सँ मना करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य एहन सभक अछि।” ओ हुनका सभ पर हाथ राखि कऽ ओतय सँ विदा भऽ गेलाह। एक गोटे आबि हुनका पुछलथिन, “गुरु, हम कोन नीक काज करब जाहि सँ हमरा अनन्त जीवन भेटय?” ओ हुनका पुछलथिन, “अहाँ हमरा नीक किएक कहैत छी?” एकटा नीक केओ नहि अछि, अर्थात परमेश् वर। ओ हुनका पुछलथिन, “कोन?” यीशु कहलथिन, “हत्या नहि करू, व्यभिचार नहि करू, चोरी नहि करू, झूठ गवाही नहि दियौक, अपन पिता आ मायक आदर करू। युवक ओकरा कहलकनि, “हम अपन जवानी सँ ई सभ बात राखने छी। यीशु हुनका कहलथिन, “जँ अहाँ सिद्ध बनय चाहैत छी तँ जाउ, जे किछु अछि से बेचि कऽ गरीब सभ केँ दऽ दियौक, तखन अहाँ लग स् वर्ग मे धन-सम् पत्ति भेटत। मुदा ई बात सुनि युवक दुखी भऽ गेलाह। **मत्ती १९:१३-२२**

बच्चा सभ, प्रभु मे अपन माता-पिताक आज्ञा मानू, किएक तँ ई उचित अछि। अपन बाप-माँक आदर करू। (जे प्रतिज्ञाक संग पहिल आज्ञा अछि।) जाहि सँ अहाँक नीक होअय आ अहाँ पृथ्वी पर बेसी दिन जीवित रहब। **इफिसियों** 6:1-3

तोहर युवावस्था केँ केओ तुच्छ नहि मानय। मुदा अहाँ विश् वासी सभक उदाहरण बनू, वचन मे, गप्प-सप्प मे, प्रेम मे, आत् मा मे, विश् वास मे आ शुद्धता मे। 1 **तीमुथियुस** 4:12

युवावस्थाक वासना सँ सेहो पलायन करू, मुदा पवित्र हृदय सँ प्रभुक आह्वान करयवला सभक संग धार्मिकता, विश्वास, प्रेम, शान्तिक पालन करू। 2 **तीमुथियुस** 2:22

बुद्धि एक छोर सँ दोसर छोर धरि जोरदार ढंग सँ पहुँचैत अछि, आ ओ सभ किछु केँ मधुर ढंग सँ व्यवस्थित करैत अछि। हम ओकरासँ प्रेम करैत छलहुँ, आ जवानीसँ ओकरा खोजैत छलहुँ, ओकरा अपन जीवनसाथी बनेबाक इच्छा छल, आ ओकर सौन्दर्यक प्रेमी छलहुँ ।
सुलेमान 8:1-2 **के बुद्धि**

हे बच्चा सभ, अपन पिताक बात सुनू, आ तकर बाद करू, जाहि सँ अहाँ सभ सुरक्षित रहब। किएक तँ परमेश् वर पिता केँ सन् तान सभ पर आदर देलनि आ पुत्र सभ पर मायक अधिकार केँ पुष्ट कयलनि। जे केओ अपन पिताक आदर करैत अछि, ओ अपन पापक प्रायश्चित करैत अछि। जे केओ अपन पिताक आदर करत, ओकरा अपन संतान सँ आनन्दित होयत। जखन ओ अपन प्रार्थना करत तखन ओकर बात सुनल जायत।" जे अपन पिताक आदर करैत अछि, ओकर जीवन दीर्घ होयत। जे प्रभुक आज्ञाकारी होयत से अपन मायक लेल सान्त्वना देत। जे प्रभु सँ डरैत अछि, से अपन पिताक आदर करत, आ अपन मालिकक समान अपन माता-पिताक सेवा करत। अपन बाप-माँ केँ बात आ काज दुनू मे आदर करू, जाहि सँ अहाँ केँ हुनका सँ आशीर्वाद भेटय। कारण, पिताक आशीर्वाद संतानक घर-परिवार केँ स्थापित करैत अछि। मुदा मायक अभिशाप नींव केँ जड़ि सँ उखाड़ि दैत अछि। अपन पिताक अपमान मे महिमा नहि करू। किएक तँ अहाँक पिताक अपमान अहाँक लेल कोनो महिमा नहि अछि। मनुखक महिमा ओकर पिताक आदर सँ होइत छैक। आ अपमानित माय बच्चा सभक लेल निन्दा होइत अछि। हमर बेटा, अपन पिताक उम्र मे सहायता करू, आ जा धरि ओ जीबैत छथि ता धरि हुनका दुखी नहि करू। आ जँ ओकर समझ मे कमी आबि गेलैक तँ ओकरा संग धैर्य राखू। जखन अहाँ अपन पूर्ण सामर्थ्य मे रहब तखन ओकरा तिरस्कार नहि करू। कारण, तोहर पिताक निश्चिंतता बिसरल नहि जायत, आ पापक बदला मे ई अहाँ केँ मजबूत करबाक लेल जोड़ल जायत। तोहर क्लेशक दिन ई स्मरण कयल जायत। तोहर पाप सेहो पिघलि जायत, जेना नीक गरम मौसम मे बर्फ पिघलि जायत। जे अपन पिता केँ छोड़ि दैत अछि से निन्दा करयवला जकाँ अछि। जे अपन माय केँ क्रोधित करैत अछि, से परमेश् वरक शापित अछि। **उपदेशक** 3:1-16

बौआ, जवानी सँ शिक्षा जुटाउ, तहिना अहाँ केँ बुढ़ापा धरि बुद्धि भेटत। **उपदेशक** 6:18

अपन पिता केँ पूरा मोन सँ आदर करू, आ अपन मायक दुख केँ नहि बिसरि जाउ। मोन राखू जे अहाँ हुनका सभ सँ जन्मल छी। आ जे काज ओ सभ अहाँक लेल केने छथि, तकरा अहाँ हुनका सभ केँ कोना प्रतिफल दऽ सकैत छी? **उपदेशक** 7:27-28

अपन बच्चा केँ कोकुर करू, तखन ओ अहाँ केँ डरा देत, ओकरा संग खेलाउ, तखन ओ अहाँ केँ भारी पड़ि जायत। ओकरा संग हँसी नहि, कहीं ओकरा संग दुख नहि हो, आ अंत मे दाँत नहि कटयब। जवानी मे ओकरा कोनो स्वतंत्रता नहि दियौक, आ ओकर मूर्खता पर आँखि नहि मिचाउ। छोट रहैत ओकर गरदनि झुकि कऽ ओकरा कात मे मारि दियौक, जाहि सँ ओ जिद्द नहि भऽ जाय आ अहाँक आज्ञा नहि मानय आ एहि तरहेँ तोहर हृदय मे दुख नहि आबि जाय। **उपदेशक** 30:9-12